डॉ. कपिल देव शर्मा
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन,
रूड़की-247667

निदेशक की कलम से.....

यह एक प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संरक्षण में संस्थान का हिन्दी प्रकोष्ठ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी सप्ताह के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रेरणात्मक कार्यक्रमों के साथ-साथ अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का प्रकाशन कर रहा है । राजभाषा हिन्दी के विकास में इस तरह के सार्थक प्रयास वैज्ञानिक तथा तकनीकी लेखन को एक नई दिशा देते हैं । यह कार्य वास्तव में प्रशंसनीय है ।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूडकी संविधान में राजभाषा हिन्दी से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दृढ़संकल्प है । संस्थान सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार तथा विकास में अभिवृद्धि सुनिश्चित करने के लिए वर्ष भर हिन्दी के अनेकों प्रभावी कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ प्रवाहिनी का प्रकाशन भी कर रहा है । प्रवाहिनी का निरन्तर प्रकाशन संस्थान के अधिकारियों की सृजनशीलता तथा राजभाषा हिन्दी के प्रति उनकी रूचि को अभिव्यक्त करता है ।

प्रस्तुत अंक में संस्थान के अधिकारियों तथा उनके पारिवारजनों के अलावा संस्थानेत्तर व्यक्तियों के रोचक , ज्ञानवर्द्धक तथा महत्वपूर्ण लेखों को भी शामिल किया गया है । पत्रिका में हिन्दी भाषा का उपयोग सरल एवं जन-भाषा के रूप में किया गया है । इस प्रकार के प्रयास वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हैं और इससे हिन्दी में कार्य करने की उनकी रूचि बढ़ जाती है ।

मुझे आशा है कि यह पत्रिका समस्त पाठकों के लिए रोचक तथा उपयोगी साबित होगी । भविष्य में प्रवाहिनी को और भी रोचक एवं उपयोगी बनाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव सादर आमंत्रित हैं ।

मैं प्रवाहिनी के इस अंक के सम्पादन, टंकण, प्रूफ शोधन तथा प्रकाशन संबंधी कार्यो से जुड़े अधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा इस पत्रिका की सफलता की मंगल कामना करता हूँ ।

15/9/06

(कपिल देव शर्मा)